निर्माण कार्य पूरा कराना

''क''12. श्री संजय सिंह टाईगर--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि भोजपुर जिले के कोइलवर में वर्ष 2000 में ही मानसिक आरोग्यशाला हेतु कार्य प्रारंभ किया गया था;

(2) क्या यह बात सही है कि 10 वर्ष बीत जाने के बाद भी उक्त मानसिक आरोग्यशाला का निर्माण कार्य पूरा नहीं हो सका है और इसके निमित भवनों में ही सी०आर०पी०एफ० कैम्प चल रहा है;

(3) क्या यह बात सही है कि उक्त आरोग्यशाला में आउटडोर सेवा शुरू हो चुकी है परन्तु भवन, शय्या, आवश्यक उपकरण के अभाव में इंडोर सेवा शुरू नहीं हो सकी है;

(4) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार उक्त आरोग्यशाला के निर्माण कार्य को शीघ्र पूरा कराते हुए उसे पूर्णरूपेण चालू कराने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

विद्युत उपलब्धता में वृद्धि

22. श्री ललित कुमार यादव--क्या मंत्री, ऊर्जा विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि बिहार राज्य में बिजली की आवश्यकता 2000 मेगावाट है जबकि समान्यतः 1550 मेगावाट का आवंटन है, जिसके विरुद्ध औसत उपलब्धता मात्र 950 मेगावाट है;

(2) यदि उपर्युक्त खंड का उत्तर स्वीकारात्मक है, तो सरकार विद्युत उपलब्धता वृद्धि करने हेतु कौन-सी कार्रवाई करने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

क्षतिपूर्ति करना

23. श्री नीरज कुमार सिंह--क्या मंत्री, आपदा प्रबंधन विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि दिनांक 16 फरवरी, 2011 को तूफान एवं ओलावारी से सुपौल जिलान्तर्गत छातापुर प्रखंड के लक्ष्मीपुर खुंटी, धीवहा, राजेश्वरी पूर्वी, राजेश्वरी पश्चिमी, ग्वालपाड़ा, मोहम्मदगंज, चुन्नी, सोहरा, कटहरा, झखाड़गढ़ आदि पंचायतों के हजारों एकड़ जमीन में लगे गेहूं एवं मकई के फसल बर्बाद हो गये तथा सैकड़ों घर क्षतिग्रस्त हो गए, यदि हां, तो क्या सरकार ओलावारी से पीड़ित परिवारों को गृह क्षतिपूर्ति एवं फसल क्षतिपूर्ति करवाने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक ?

---

* निर्माण कराना

24. श्री अख्तरूल ईमान--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि राज्य में 4875 हेल्थ-सब-सेन्टर, 1544 ए०पी०एच०सी०, 135 पी०एच०सी०, 30 अनुमण्डल अस्पताल तथा 12 सदर अस्पताल का निर्माण दो वर्ष पूर्व हो जाना था;

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त लक्ष्य के विरुद्ध अबतक 457 हेल्थ-सब-सेन्टर, 213ए०पी०एच०सी०, 92 पी०एच०सी०, 15 अनुमण्डल अस्पताल तथा 09 सदर अस्पताल का ही निर्माण हो सका है;

(3) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो शेष बचे उक्त सभी अस्पतालों का निर्माण सरकार कबतक कराने का विचार रखती है ?

ओ०टी० चालू कराना

25. श्री राम बालक सिंह--दिनांक 9 जनवरी, 2011 को पटना से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार-पत्र के शीर्षक ''ओटी तो बना पर मरीजों के लिए है बे-काम'' की ओर ध्यान देते हुए क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि--

(1) क्या यह बात सही है कि पी०एम०सी०एच० में हड्डी रोग का ओटी बनकर तैयार है, पर संसाधन की कमी के कारण चालू नहीं हो पाया है;

नोट--''क'' दिनांक 25 फरवरी, 2011 को सदन द्वारा स्थगित ।

(2) क्या यह बात सही है कि उक्त ओटी एम०सी०आई० के गाइड लाइन को भी पूरा नहीं करता है;

(3) यदि उपर्युक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं, तो क्या सरकार खंड (1) में वर्णित ओटी को चालू कराने का विचार रखती है, यदि हां, तो कबतक, नहीं, तो क्यों ?

चिकित्सा सुविधा देना

26. श्री महेन्द्र बैठा--क्या मंत्री, स्वास्थ्य विभाग, यह बतलाने की कृपा करेंगे कि क्या यह बात सही है कि राज्य के अंदर या बाहर निजी अस्पताल या नर्सिंग होम में इलाज कराने पर राज्य के प्रशाखा पदा० या उनके समकक्ष पदा० तक ही चिकित्सा खर्च की प्रतिपूर्ति का प्रावधान किया गया है, परन्तु उससे नीचे के तृतीय श्रेणी के कर्मियों को यह सुविधा नहीं है, यदि हां, तो क्या सरकार तृतीय स्तर के कर्मचारियों को भी उक्त सुविधा देने का विचार रखती है, यदि नहीं, तो क्यों ?

पटना :
दिनांक 04 मार्च, 2011 (ई०) ।

गिरीश झा,
प्रभारी सचिव,
बिहार विधान-सभा ।

बि०स०मु० (एल०ए०) 126--डी०टी०पी०--450